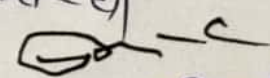


निवेदन
 निरुद्ध
 मूल में
 द्वारा
 पत्रावली
 मय

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यावाही मय इनिशियन्स जज 29/1/2022	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हए
----------------	--	--

11/01/2022
 पत्रावली पेशा हुई। वकील जर्धी जय.। पैरोकार सरकार
 उपस्थित हैं। अजर्धी सं. 1 अनुपस्थित हैं। इन्हीं
 वकील प्रतिवादी सं. 1 अनुपस्थित हैं। इनकी भीतले
 कोई अन्य वकील भी उपस्थित नहीं हैं। बारबार
 भावाजे लागवाई गईं, परन्तु न्यायालय समय तक
 कोई भी उपस्थित नहीं हये अतः अजर्धी सं. 1
 के विरुद्ध सब तरह का कार्यवाही मगल में लाई जाती
 है। पत्रावली करते व इस धारा 212 शा. का. अधि
 नियत है। वकील जर्धी द्वारा व इस वाक्य निवेदन
 किया गया। वकील जर्धी की बहस खूनी गई।
 पैरोकार सरकार द्वारा पत्रावली में राजहित उभाक्ति
 नहीं होने बताया गया। जर्धी द्वारा उस्तुत
 जर्धीना पत्र के अवलोकन व मनन तथा
 पैरोकार सरकार के कथन, व इस जर्धी वक्ति
 का मनन किया गया। अजर्धी सं. 1 द्वारा मूल
 भा. में उस्तुत जवाब पत्र, जो इस पत्रावली में जवाब
 के रूप में स्वीकार किया गया था के अन्वयन
 तथा व इस जर्धी के मनन उपरान्त जर्धी
 द्वारा उस्तुत जर्धीना पत्र धारा 212 शा. का. अधि
 अनुसोध मोगम होने से स्वीकार किया जाता है।
 प्रश्नगत आराजीयात में तर्फिल्ला मुलकाह
 राजस्व रिपोर्ट तथा मौके की यथास्थित वनाये
 रखेन वाबत आस्थाई निषेधाज्ञा निषाबत
 किया जाता है। पत्रावली फिल श्रुमार ही। नखा
 से कम होकर लेखित उत्तर है।


 उपखण्ड अधिकारी
 मिनाय (अजमेरा)